सर्व समृद्धि सर्व सहयोग

1980

810

ग्रामीण विकास मंडल

Commitment to Transparency Verified. Valid till Dec 2021

GuideStarIndia

Gramin Vikas Mandal, GSN 12534
shares Income Tax Return
on www.guidestarindia.org

# ग्रामीण विकास मंडल

## वार्षिक रिपोर्ट 2021-2022


**REGD OFFICE**

HOUSE NO 92
VPO NIHALGARH DISTRICT CHARKHI DADRI
HARYANA 127312

**BRANCH ADDRESS**

J J COLONY, PINDWARA
DISTRICT SIROHI RAJASTHAN
307022

**REGISTRATION NUMBER**

HR-013-2014-00952

**E-MAIL-** GVM_SANKALP@YAHOO.CO.IN

# OUR VISION

**PROMOTION OF VOLUNTEERISM FOR A BETTER SOCIETY**

# MISSION

1. **TRAINING AND MOTIVATION OF YOUTH FOR VOLUNTARY WORK**
2. **DIGNITY & EMPOWERMENT OF WOMEN**
3. **PROMOTION OF SKILL & VALUE EDUCATION**
4. **AGRICULTURE PROMOTION AS SELF-RELIANCE**
5. **CONSERVATION OF NATURE & ENVIRONMENT**
6. **NATURAL CALAMITIES RELIEF WORK**
7. **NATIONAL PROGRAM OF BLINDNESS CONTROL**

# अध्यक्षीय संबोधन

रास्ता कठिन है, मगर है तो सही। यह कोई लोकोक्ति नहीं अपितु 41वर्षो के सफर के अनुभव से उपजा हौंसला, विश्वास और निष्कर्ष है। 1980 में जब एक छोटे और दूरदराज के गांव में कुछ नौजवानों ने अपने ही गांव में मूलभूत सुविधाएं जुटाने और आदर्श गांव बनाने का सपना देखा तो किसी को मालूम नहीं था कि जाना किधर है और रास्ता कितना लम्बा है। बस यौवन काल के उत्साह, ऊर्जा और आदर्शों की डोर पकड़ कर चल दिए।

सफ़र कैसे गुजरा और क्या हासिल किया इसकी लम्बी फेहरिस्त है। लेकिन उपलब्धि गर्व करने लायक इसलिए है कि 41 वर्षो का रास्ता शीशे जैसा साफ़ है, कोई दाग नहीं। संस्था की सदस्य संख्या हज़ारों में बेशक नहीं लेकिन हर सदस्य हज़ारों में एक निस्वार्थ सेवा और स्वेच्छाचारिता की मिसाल है। सदस्यता के उच्च मानदंड आज भी कायम हैं। संस्था के 80 प्रतिशत से अधिक कार्यक्रम सदस्यों के योगदान से सम्पन्न होते हैं। आज जहां बड़ी संख्या में गैर सरकारी संगठन कार्यक्रमों के लिए मिलने वाले धन का गोलमाल करने के व्यवसाय के  रूप में जानी जाती हैं, ग्रामीण विकास मंडल उन संस्थाओं की पंक्ति में खड़ा है जिनका  स्वेच्छाचारिता और सेवा ही संकल्प है।

2021.22हमारे लिए कई अर्थों में विशेष रहा है। सर्वप्रथम ऑटोमोबाइल कंपनी BOSCH के केयर गिवर्स स्किल ट्रैनिंग के लिए विश्व युवक केन्द्र नई दिल्ली के साथ मिलकर हरियाणा के आठ जिलों में दो सो पच्चीस युवाओं का चयन किया। इस कार्यक्रम में संस्था की कार्यप्रणाली से प्रभावित होकर जगन्नाथ यूनीवर्सिटी बहादुरगढ ने स्किल ट्रैनिंग कोर्सेज में भागीदार बनने के लिए आमन्त्रित किया है। संस्था द्वारा 1999 के ओडिशा चक्रवात के समय गठित राहत ग्रुप हरियाणा में अनेक नई संस्थाएं जुड़ी हैं जिसके परिणामस्वरूप पुडुचेरी बाढ़ पीड़ितों के लिए सफल राहत शिविरों का आयोजन किया जा सका।

राजस्थान के सिरोही जिले की पिंडवाडा तहसील में आदिवासी बच्चों की शिक्षा की मुहिम संस्था की गतिविधियों में मील का पत्थर साबित होने वाली है। किसी भी प्रकार के बाहरी सहयोग के बिना भादा वेरी गांव में स्कूल शुरू करना कार्यकर्ताओं के विश्वास की चरम परिणीति कही जानी चाहिए।

इस अवसर पर मुझे आपसे यह सांझा करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि आगामी वर्ष 2023 में संस्था के वर्तमान अध्यक्ष  सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में निर्बाध 50 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। वर्ष 2021 की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए इस 41 वर्षो के सफ़र के महानुभावों का अभिनंदन करते हुए इस वर्ष ग्रामीण विकास मंडल पर विश्वास बनाए रखने वाले सभी स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं, व्यक्तिगत और संस्थागत सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

# GOVERNING BODY

**RAJENDRA KUMAR**
**PRESIDENT**

**CAPT. SULTAN SINGH**
**VICE PRESIDENT**

**SUNIL KUMAR**
**SECRETARY**

**DR. HARISH CHANDRA**
**JOINT SECRETARY**

**Sanjay Advocate**
**Treasurer**

**CHUNNI LAL**
**MEMBER**

**RAJESH PHOGAT**
**MEMBER**

पर्यावरण और जल संरक्षण सदैव मंडल की प्राथमिकताओं में शामिल रहें हैं। इस वर्ष 25 जुलाई को झोझू कलां में पॉवर हाउस रोड़ पर स्थित चोपाल प्रांगण में हिन्दुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स और ब्रह्मा कुमारीज के साथ पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया।27 जुलाई को ब्रह्मकुमारिज के तत्वावधान में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कादमा में पौधारोपण अभियान चलाया।

5 सितम्बर को ब्रह्मकुमारीज सेवा केन्द्र रामबास में मंडल का 41वा स्थापना दिवस और शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

स्वतंत्रता सेनानी और गांधीवादी विचारक डॉक्टर एस एन सुब्बाराव (भाई जी) का 27 अक्टुबर 2021 को जयपुर में 93 वर्ष की आयु में निधन हो गया। संस्था अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार के सामाजिक जीवन के गुरु भाई जी का अनेक कार्यक्रमों में चरखी दादरी आना हुआ। दादरी के गणमान्य नागरिकों ने 31 अक्टुबर को आदर्श स्कूल गांधी नगर में श्रदांजलि सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर भाई जी से विशेष अनुग्रह रखने वाले सतपाल स्वामी रानिला ने सर्व धर्म प्रार्थना प्रस्तुत की।

चरखी दादरी में भाई जी की श्रद्धांजलि सभा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्व युवक केन्द्र नई दिल्ली द्वारा देश भर में संचालित साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में 5 मार्च 2022 को आर्य स्कूल झोझू कलां में संस्था के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा हरियाणवी लोकगीत, लोक नृत्य और नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्री जयप्रकाश सब्बरवाल, हरियाणा योग आयोग के रजिस्ट्रार डॉक्टर हरीश चंद्र , ब्रह्माकुमारिज वसुधा बहन , डाक्टर एकता पंवार ने प्रतिभागी महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर महिला कार्यकर्ता सविता सोनी तथा कविता झोझू को महिला जागरुकता के लिए किए गए प्रयासों के लिए सम्मानित किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के कार्यक्रम में बोलीं शिक्षा अधिकारी

# महिला शक्ति आसमान की बुलंदी छूने में सक्षम, अब वायु सेना के जंगी जहाज उड़ाने का सफर भी तय कर रहीं महिलाएं : जेपी सभ्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

आज महिला शक्ति आसमान को बुलंदी छूने में सक्षम है। विश्व युवक केंद्र द्वारा ग्रामीण विकास परिषद द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी जयप्रकाश सभ्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि ने यह उदगार व्यक्त किए। विश्व युवक केंद्र नई दिल्ली द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रृंखला विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर आयोजित की जा रही है। झोझू कलां के आर्य स्कूल में आयोजित महिला उत्सव की प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए कहा कि अब महिलाएं खेल और शिक्षा के क्षेत्र में पुरुषों को पछाड़ वायु सेना के जंगी जहाज उड़ाने का सफर तय कर रही हैं।

**खास बातें**

- महिला उत्सव की प्रतिभागी महिलाओं को सम्मानित किया
- विश्व युवक केंद्र नई दिल्ली की ओर से कार्यक्रम
- विवि परीक्षाओं में लड़कियां अपना लोहा मनवा चुकीं

कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नाटक में अभिनय देख ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने कहा कि साधारण साक्षर घर गृहस्थी में मशगूल रहने वाली महिलाओं की प्रतिभा किसी से भी कम नहीं है।

## आने वाली सदी का नेतृत्व महिलाओं के हाथों में रहेगा

अध्यक्षीय उद्बोधन में हरियाणा योग आयोग के रजिस्ट्रार ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय स्तर की परीक्षाओं में लड़कियां परिश्रम और योग्यता का लोहा मनवा चुकी हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि आने वाली सदी का नेतृत्व महिलाओं के हाथों में रहेगा। रजिस्ट्रार ने ग्रामीण विकास परिषद के चालीस वर्षों की उपलब्धियों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नाटक में अभिनय देख ब्रह्मकुमारी वसुधा बहन ने दावा किया कि साधारण साक्षर घर गृहस्थी में मशगूल रहने वाली महिलाओं की प्रतिभा किसी से भी कम नहीं है।

दादरी। अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

## लोकगीतों को सहारा

महिला उत्सव में परिषद द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा प्रस्तुत नाटक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ने जहां उपस्थित श्रोताओं की संवेदना को जगाने का काम किया वहीं समूह नृत्य देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। हरियाणवी लोकगीतों पर ढोल की गज का आंगन पर थिरकते पैरों पर सभागार तालियों से गूंज उठा। स्थानीय प्राथमिक चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एकता पंवार ने आयोजक मंडल को बधाई दी। आगंतुकों का स्वागत करते हुए परिषद के सचिव सुशील कुमार ने संस्था की 42 वर्षों की उपलब्धियों का जिक्र किया। परिषद द्वारा सामाजिक कार्यों के लिए संस्था की कार्यकर्ता सविता सैनी और कविता झोझू को सम्मानित किया। आभार ज्ञापन संस्था कोषाध्यक्ष संजय एडवोकेट ने और मंच संचालन बिशन सिंह आर्य ने किया। मौके पर प्रिंसिपल परमिंदर चिरौड़िया, चेयरमैन अशोक शर्मा, कोषाध्यक्ष संजय एडवोकेट, मानो चंद्रभान साइकोलॉजिस्ट, संस्था यूथ विंग कोऑर्डिनेटर अरुण यादव का विशेष सहयोग रहा।

7 फ़रवरी 2021 से राजस्थान के सिरोही जिले की पिंडवाडा तहसील के गांव भादा वेरी में संचालित शिक्षा संस्कारशाला में 38 बच्चों का नामांकन है जिसमें 95 प्रतिशत उपस्थिति रहती है। इस वर्ष संस्कारशाला की अपनी झौपड़ी बनाने की दिशा में बढ़ते हुए नज़दीक स्थित बड़ के विशाल पेड़ के चारों तरफ चबूतरा बनाने का काम शुरू किया गया है। इसके लिए एक दिन स्थानीय युवाओं के साथ श्रमदान कर पत्थर और मिट्टी का काम हुआ है।

हमारे काम को देखने 26 अक्टुबर को जलपुरुष राजेन्द्र सिंह भादा वेरी आए और संस्कारशाला के माध्यम से शिक्षा से वंचित बच्चों को पढ़ाने और भाई जी के काम को आगे बढ़ाने के लिए साधुवाद दिया। साल भर से भादा वेरी में पीने के पानी और महिलाओं के लिए काम ढूंढने का प्रयास भी चल रहा है।

7 फ़रवरी 2022 को दूसरी सुब्बाराव शिक्षा संस्कारशाला यहां से 20 किलोमीटर दूर वलोरिया पंचायत के अरनुआ गांव में शुरू की गई है। इस शिक्षा संस्कारशाला में 39 बच्चों का नामंकन है। अरनुआ में भी पानी का बड़ा संकट है, गांव तक बोरिंग मशीन जाने का रास्ता नहीं होना इसका प्रमुख कारण है। 29 मार्च से हरियाणा के बल्लबगढ़ में सम्पन्न राष्ट्रीय सदभावना युवा शिविर में भादा वेरी संस्कारशाला के सात बच्चों ने भाग लिया।

पहली बार ट्रेन में बैठे और किसी शहर में आना इन बच्चों के लिए सुखद अहसास रहा। इस काम को एक नई ऊर्जा और दिशा उस समय मिली जब चरखी दादरी शहर में संस्कारशाला के काम के विस्तार के लिए अख़बार की रद्दी दान करने की मुहीम स्थनीय सामाजिक सरोकार रखने वाले लोगों द्धारा शुरू की गई। रद्दी दान मुहीम का गणित यह है कि एक परिवार से महीने में तीस रुपए की रद्दी दान में मिलेगी। पांच सौ परिवार अख़बार पढ़ने के बाद दान करने का संकल्प लेने का अभिप्राय है कि पन्द्रह हज़ार रुपए मासिक का सहयोग मिलता है। पन्द्रह हज़ार का अर्थ है कि अर्धनग्न अवस्था में जंगल में शिक्षा से वंचित घूम रहे 25 बच्चों को शिक्षा देने का बड़ा काम होने वाला है।

भादा वेरी में प्रथम गणतंत्र दिवस समारोह

दुसरी सुब्बाराव शिक्षा संस्कारशाला अरणुआ में पहला दिन

भादा वैरी में चबूतरा बनाने के लिए श्रमदान करते युवा

बल्लबगढ शिविर में संस्कारशाला भादा वेली के बच्चे

छात्र अभिभावक बैठक में शामिल बच्चे और उनके माता पिता

शिक्षा संस्कारशाला के बच्चों के साथ राजेंद्र कुमार

शिक्षा संस्कारशाला अरणुआ में बच्चो और शिक्षको का प्रथम दिन

भादा वेरी के बच्चों को स्कूल ड्रेस भेंट करते हुए जलपुरुष राजेन्द्र सिंह और कर्नाटक के भाई दयानन्द पाटिल। यह ड्रेस दादरी के श्री सूबे सिंह वर्मा ने इन बच्चों के लिए भेजी थी।

मुहिम | ग्रामीण विकास मंडल द्वारा शुरू की गई है आदिवासी बच्चों के लिए शिक्षा संस्कारशाला

# शिक्षा संस्कारशाला में मदद करेंगी संस्थाएं

**जागरण संवाददाता, चरखी दादरी :** जिले की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, सामाजिक सरोकारों से जुड़े गणमान्य लोगों की बैठक रविवार को दादरी शहर के गांधीनगर स्थित आदर्श स्कूल में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य ग्रामीण विकास मंडल द्वारा संचालित राजस्थान के आदिवासी क्षेत्र के बच्चों के लिए शुरू की गई शिक्षा संस्कार शाला के काम को विस्तार देना रहा।

ग्रामीण विकास मंडल अध्यक्ष राजेंद्र कुमार ने बताया कि जनवरी 2021 में सिरोही जिले के रेवदर और पिंडवाड़ा ब्लाक में घूमते हुए पाया कि पहाड़ और जंगल में आदिवासी बच्चे आज भी शिक्षा के द्वार से दूर हैं। परिणाम स्वरूप पांच फरवरी 2021 को पिंडवाड़ा के मोरस पंचायत के गांव भादावेरी में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फूले को समर्पित करते हुए स्वतंत्रता सेनानी डा. एसएन सुब्बाराव ने शिक्षा संस्कारशाला का शुभारंभ किया। बैठक में अरावली क्षेत्र के

चरखी दादरी शहर के गांधीनगर स्थित आदर्श स्कूल में आयोजित बैठक में शामिल गणमान्य लोग। ● जागरण

इस आदिवासी समुदाय के जंगल में अर्धनग्न अवस्था में पढ़ने की उम्र में घूम रहे मासूमों को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से अनेक प्रतिनिधियों ने न केवल संकल्प लिया, बल्कि अपने बहुमूल्य सुझाव भी रखे। इस मौके पर हरियाणा हेल्पिंग हैंड संस्था के प्रतिनिधियों ने इस पाठशाला के लिए स्टेशनरी मुहैया करवाने व 100 परिवारों से अखबार की रद्दी दान स्वरूप इस काम के लिए जुटाने का संकल्प किया।

करियर काउंसलर आरसी पूनिया ने सुझाव दिया कि हम स्कूलों में जाकर बच्चों को अपनी पुरानी पुस्तकें दान करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी, सामाजिक संस्थाओं से जुड़ी रोशनी शर्मा ने कहा कि आज से शिक्षा संस्कार शाला का संकल्प हम सबका सांझा अभियान है। व्यापार मंडल अध्यक्ष बलराम गुप्ता ने सुझाव दिया कि अखबार की रद्दी के अतिरिक्त स्वेच्छा से मासिक नकद अंशदान करने का विकल्प भी हमें रखना चाहिए। आदर्श स्कूल संचालक रामकिशन श्योराण ने संकल्प लिया कि गांधीनगर से अधिक से अधिक संख्या में अखबार की रद्दी इस अभियान के लिए जुटाएंगे। परिषद के सचिव सुनील कुमार ने बताया कि बैठक में 300 परिवारों से मासिक अखबार की रद्दी दान में मिलने का संकल्प मिला है। बैठक में बिशन सिंह आर्य, संजय एडवोकेट, मुकेश ओसवाल, नत्थू राम यादव, कप्तान सुल्तान सिंह, मा. संजय कुमार, राजेश फौगाट, निरंजन लाल, नीतू बंसल, मधु शर्मा उपस्थित रहे।

# पुडुचेरी बाढ़ राहत शिविर

प्राकृतिक आपदाओं की निरंतरता मानव जाति के लिए भविष्य की बड़ी चेतावनी हो सकती है। दुनियां के किसी न किसी भाग में कुदरत अपनी नाराजगी जाहिर करती रहती है। इस प्रकार की पुनरावृति का कारण मनुष्य का लालच भी हो सकता है।

2021के जाते जाते नवम्बर के आखिरी दिनों में दक्षिणी भारत में भारी बारिश ने बाढ़ का रूप ले लिया। इस बाढ़ के कारण केंद्र शासित प्रदेश पुद्दुचेरी के लोगों को भारी संकट से गुजरना पड़ा है। मूसलाधार बारिश और पानी के उफान के सामने गरीब परिवारों और उनकी झौपड़ी के लाचारी के भाव आज भी मौजुद हैं। पुद्दुचेरी की बाढ़ ने" कंगाली में आटा गीला" की कहावत को हकीकत में बदलने का काम किया है। यद्धपि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र व्यापक नहीं रहा लेकिन आपदा की मार व्यापक है।

शायद यही कारण रहा होगा कि मीडिया के लिए यह संकट डरावनी तस्वीर नहीं बना पाया। लेकिन पुद्दुचेरी में दो दशक से काम कर रही करुणायलम रूरल वेलफेयर सोसायटी के संस्थापक निदेशक मित्र पी अंगलान ने जब पुडुचेरी बाढ़ से उत्पन्न हालात का जिक्र करते हुए मदद का आग्रह किया तो स्थिति की गम्भीरता का पता चल पाया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के गरीब लोगों की हालात जान 1999 के ओडिशा चक्रवात के समय गठित राहत ग्रुप हरियाणा की ऑनलाइन बैठक बुलाई गई। बैठक में सदस्य संस्थाओं के सामने पुद्दुचेरी बाढ़ की स्थिति रखी गई तो सदैव की भांति ग्रुप के सदस्यों ने राहत शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया । राहत ग्रुप की सदस्य संस्थाओं ग्रामीण विकास मंडल, ग्राम सभा करीरा, बाबा भैया सेवादल ककराला, राजकीय महाविद्यालय ऊनानि, हमारा वतन सतनाली, ग्राम सभा रामबास, ब्रामाकुमारिज काडमा, किसान क्लब बरसाना, नालंदा स्कूल डालनवास, आर्य स्कूल झोझू , आदर्श स्कूल गांधी नगर दादरी और व्यक्तिगत सदस्यों ने राहत सामग्री जुटाने का संकल्प लिया।

राहत ग्रुप आपदा पीड़ितों तक पहुंच कर राहत शिविर आयोजित करने की रणनीति पर काम करता है। लेकिन इस बार राहत सामग्री पुद्दुचेरी ले जाने के लिए केवल डीजल खर्च पचास हजार रुपए जानकर निर्णय बदलते हुए सामान पुद्दुचेरी से ही खरीदने का निर्णय लिया ।

सभी संस्थाओं और व्यक्तिगत सदस्यों ने इस बार मीडिया की चुप्पी के बावजूद दस दिन में दो लाख रुपए जुटाने का संकल्प पूरा कर लिया। इस बीच राहत शिविर के लिए जाने वाली तीन सदस्यीय टीम सर्व श्री राजेंद्र कुमार, रविदत्त और बलबीर माचा के लिए 20 दिसम्बर की ट्रेन टिकट आरक्षित की जा चुकी थी।छत्तीस घंटे की ट्रेन की यात्रा कर टीम जब पुद्दुचेरी पहुंची तो पी अंगलन स्टेशन पर हमारी राह देख रहे थे। हमारी अनिच्छा के बावजूद हमें पुद्दुचेरी स्थित साब्थगिरि होटल ठहराया गया। एक घण्टे होटल में विश्राम के साथ राहत सामग्री का निर्धारण और खरीदने की व्यवस्था को अन्तिम रूप दिया गया। पी अंगलन के मुताबिक बाढ़ के कारण सिर पर छत और खाने का सामान दोनों ही पीड़ितों की आवश्यकता हैं।

आखिरकार बाढ़ से बचे सामान और परिवार को आश्रय के लिए तिरपाल खरीदने का निर्णय हुआ। स्थानीय मार्केट में मोल भाव करने के बाद एक थोक विक्रेता से 725 रूपये की दर से 18*24 साईज के दो सौ तिरपाल खरीदे गए। 23 दिसम्बर की सुबह दस बजे तैयार होकर स्थानीय सहयोगी के साथ पुद्दुचेरी शहर से 42 किलोमीटर दूर नेत्तपकम गांव पहुंचे। हरियाणा में राहत अभियान शुरू करते वक्त पुद्दुचेरी के मित्रों से दो सौ सर्वाधिक जरूरत मंद परिवारों का चयन करने का अनुरोध किया गया था। इसी निर्णय के चलते राशन कार्ड, आधार कार्ड के साथ चयनित परिवार राहत शिविर में पहुंच गए थे।

सोसाइटी प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुष्पवैली बहन ने कहा कि भारत बहुत बड़ा देश है लेकिन हमारे संकट में सरकार से भी पहले राहत ग्रुप हरियाणा ने हमारी मदद कर मानवता की मिसाल कायम की है। एक अन्य पीड़ित महिला ने कहा आपकी सेवा का कोई मोल नहीं, परमात्मा आपको सौ साल की उम्र दे।

तीन हज़ार किलोमीटर से हमारे दर्द का एहसास पूरा भारत एक परिवार होने का प्रमाण है। कार्यक्रम के दौरान अनेक लोगों ने अंगवस्त्र भेंटकर कृतज्ञता ज्ञापित की ।तीन घण्टे के सामान वितरण के पश्चात राहत टीम वैल्लांकुलम गांव पहुंची जहां आठ आदिवासी परिवारों की महिलाओं को साड़ी भेंट की। टीम के उनकी क्षतिग्रस्त झौपड़ी में पहुंचने पर अभिभूत महिलाओं ने आरती उतारकर टीम का स्वागत किया। यहां राहत दल ने पी अंगलन और उनकी टीम के साथ एक अन्य गांव पहुंचकर पीड़ित महिलाओं को साड़ी भेंट कर हौसला अफजाई की।

पुडुचेरी बाढ़ राहत टीम की आरती उतार स्वागत करती महिलाएं

# पुडुचेरी बाढ़ राहत शिविर

## कोरोना पीड़ित दिव्यांगजन राहत

प्रथम लहर के दौरान मास्क निर्माण वितरण और जागरुकता के बाद इस वर्ष 25 जुलाई को कोरोणा से पीड़ित दिवांगजनों को रसोई राशन किट दिए गए। चरखी दादरी जिले के झोझू कलां ब्लॉक में संस्था की टीम ने सर्वे कर 25 दिव्यांग व्यक्तियों का चयन कर एक हज़ार रुपए प्रति दिव्यांग्जन रसोई राशन किट दिया गया। विश्व युवक केन्द्र नई दिल्ली के आर्थिक सहयोग से आर्य स्कूल झोझू कलां में आयोजित कार्यक्रम में उपपुलिस अधीक्षक श्री अनिल डूडी , प्राचार्य डॉ प्रविंद्र चितौड़िया, ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन, चेयरमेन अशोक शर्मा की उपस्थिति में सेवा संकल्प का कार्य सम्पूर्ण हुआ।

# ग्रामीण विकास मंडल

ग्रामीण विकास मंडल ने वर्ष 2021 में ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग कम्पनी BOSCH के केयर गिवर स्किल ट्रैनिंग के लिए हरियाणा के नौ जिलों में यूथ मोबिलाइजेशन के काम को सफलता पूर्वक अंजाम दिया। देश भर में संचालित स्किल ट्रैनिंग की यूथ मोबिलाइजेशन पार्टनर संस्था विश्व युवक केन्द्र नई दिल्ली ने हरियाणा में ग्रामीण विकास मंडल को यह दायित्व दिया था। संस्था ने हरियाणा के रोहतक, हिसार, रेवाड़ी, गुरुग्राम, सोनीपत, झज्जर, नारनौल, भिवानी और चरखी दादरी में प्रत्येक जिले से 25 युवाओं का चयन कर स्किल ट्रैनिंग में शामिल होने का अवसर दिया।

इनमें इच्छुक युवा विभिन्न निजी अस्पताल और वृद्ध सेवा केंद्रों में काम कर रहे हैं। यूथ मोबिलाइजेशन के राज्य भर में संचालित कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने में गुरुग्राम से संदीप , रेखा यादव, सोनीपत से श्री बी पी कुशवाहा , महेन्द्रगढ़ से डाक्टर विक्रम यादव चरखी दादरी से सविता सोनी, कविता झोझू का विशेष रूप से सहयोग रहा।

मोतियाबिंद मुक्ति अभियान ग्रामीण विकास मंडल की गतिविधियां तीन दशक से संस्था के केन्द्र में रही हैं। 8 अप्रैल 1996 को चरखी दादरी के सांवडिया हॉस्पिटल में आयोजित प्रथम निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के बाद कोरोना काल को छोड़ इस अभियान का कोई पड़ाव नहीं रहा है। वर्तमान में राहत ग्रुप हरियाणा के बैनर तले हर महीने के प्रथम रविवार को महेन्द्रगढ़ की यादव धर्मशाला में नियमित शिविर आयोजित कर 508 शिविरों में 20862 आंखों के रोगियों का निशुल्क सफेद मोतिया का ऑपरेशन करवाया गया है।

ककराला गोट टैलेंट कार्यक्रम के अवसर पर 12 दिसम्बर 2021 को बाबा भैया सेवा दल ककराला द्वारा मंडल की टीम को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया

वर्ष 2021में BOSCH FOUNDATION और विश्व युवक केन्द्र नई दिल्ली की सांझा पहल के अन्तर्गत सामाजिक संस्थाओं, कॉर्पोरेट और विश्व विद्यालयों के प्रतिनिधियों के क्षमतावर्धन और समन्वय हेतु संचालित समर्थ और सक्षम कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार ने भाग लिया।

# 'प्रकृति से प्रेम ही प्राणी जगत के कल्याण का मार्ग : वसुधा'

चरखी दादरी, 26 जुलाई (पंकेस): प्रकृति से प्रेम ही प्राणी जगत के कल्याण का मार्ग है। यह उद्गार झोझू कलां स्थित बाबा साहेब डा. भीम राव अम्बेदकर भवन के प्रांगण में पौधरोपण करते हुए ब्रह्मकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि डा. अम्बेदकर समिति और ग्रामीण विकास परिषद व ब्रह्मकुमारीज द्वारा मेरा भारत-हरित भारत अभियान चलाया हुआ है। ब्रह्मकुमारी वसुधा बहन ने कहा कि परमात्मा ने सृष्टि के सभी जीवों की आवश्यकता का प्रबंध किया है। ड़ा. भीम राव अम्बेदकर भवन प्रांगण में पीपल का पौधारोपण कर डी.एस.पी. अनिल ढूडी ने अपने संदेश में कहा कि पेड़-पौधों को पुत्र के समान प्रेम की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पुत्र कृतघ्न हो सकता है लेकिन पेड़ नहीं।

*पौधारोपण अभियान में शामिल गणमान्य।*

ग्रामीण विकास परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार ने कहा कि एक वृक्ष हमें जीवनभर छाया, आहार और जीवन दायिनी ऑक्सीजन के भंडार देने का काम करता है। यदि विकास और प्रकृति के सन्तुलन को कायम नहीं रखा गया तो आने वाली पीढ़ियां अपने पूर्वजों को कोसती रहेंगी। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक बिशन सिंह आर्य, चांद सिंह आर्य, कप्तान बलबीर सिंह, जगदीश राय, भूप सिंह, हवलदार रघुवीर सिंह, राजेश मिश्री, मा. संजू, परिषद सचिव सुनील, अधिवक्ता संजय महच, ज्योति बहन, रविंद्र, मास्टर मुकेश आदि उपस्थित थे।

# शिक्षा के प्रसार के लिए संस्कारशाला की अनूठी पहल

## -जयलाल दास साहित्य सदन में भिवानी के शिक्षक, साहित्यकार एवं अन्य प्रबुद्धजनों की एक विशेष बैठक आयोजित

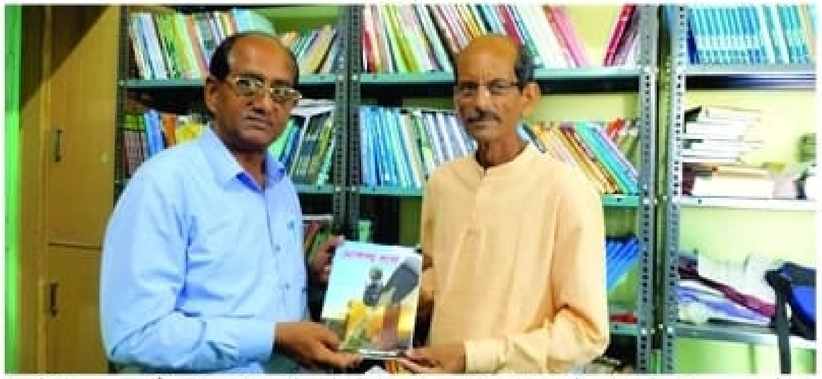

**वाटिका न्यूज भिवानी।** शायद ही किसी ने सोचा हो कि अखबार की रद्दी शिक्षा के प्रसार में इतना बड़ा योगदान दे सकती है, जितना कि राजस्थान के सिरोही और उदयपुर जिले की सीमा पर आदिवासी बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था के लिए संस्कारशाला की स्थापना करके इस मुहीम को देश के कोने-कोने तक पहुँचाने के लिए प्रयासरत राजेन्द्र कुमार ने सोचा है। राजेन्द्र कुमार ने अपनी इसी मुहीम को आगे बढ़ाने के तहत आज, 12 मार्च 2022 को, भिवानी में कोर्ट रोड स्थित श्री जयलाल दास साहित्य सदन में भिवानी के शिक्षक, साहित्यकार एवं अन्य प्रबुद्धजनों की एक विशेष बैठक आयोजित करके संस्कारशाला के संदर्भ में अपने प्रयास एवं उद्देश्यों को सबके साथ सांझा करते हुए बताया कि उन्होंने राजस्थान के सिरोही के पिंडवाड़ा तहसील में मोरस पंचायत के गाँव भादा खेरी और वालोरिया पंचायत के अरनुआ गांव में सुब्बाराव शिक्षा संस्कारशाला शुरू की है। इससे वहां के बच्चों को न केवल पढ़ने के अवसर प्राप्त होंगे, बल्कि वहां पर जंगल और पहाड़ वाले क्षेत्र में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए अब दूर-दराज़ के लोग भी सहयोग कर सकेंगे। शिक्षा से वंचित अर्द्धनग्न अवस्था में घूम रहे अन्य बच्चों के लिए इस तरह से शिक्षा के द्वार खोलने के लिए हमारे घरों के रद्दी अखबार की भी अब एक बहुत बड़ी भूमिका रहेगी। इसी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि जो अखबार पढ़ने के बाद रद्दी हो जाता है वही रद्दी इन मासूमों की जिंदगी संवारने का काम करेगा। सुबह घर में आया समाचार-पत्र शाम होने पर जब रद्दी हो जाता है, बस्सी उसी को, इस मुहीम से जुड़ने वाले समाजसेवक स्वयं भी संस्था को दान करें तथा अन्य को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि इस रद्दी को बेचने पर जो भी राशि प्राप्त हो उसे शिक्षा से वंचित उन आदिवासी बच्चों की शिक्षा-व्यवस्था पर लगाया जाए, जो आज भी अपने क्षेत्र में शिक्षा की मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे हैं। उपस्थित प्रबुद्धजनों ने उनके इस विचार का स्वागत किया। सभी ने अपने-अपने सुझाव भी दिए। बैठक में उपस्थित हरियाणा योग आयोग के रजिस्ट्रार डॉक्टर हरीश चंद्र ने कहा कि मुहीम का लक्ष्य प्रथम चरण में भिवानी से पांच सौ परिवारों को जोड़ना है। प्रसिद्ध साहित्यकार आनन्द आर्टिस्ट ने कहा कि रद्दी से शिक्षा का संदेश दूरगामी परिणाम देने वाला होगा। आनन्द प्रकाश आर्टिस्ट की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता आनन्द ने समाजसेवकों का आह्वान करते हुए कहा कि जिससे जितना भी, सहयोग जिस रूप में भी बन सकता है, उसे स्वयं ही इस दिशा में सहयोग करने के लिए आगे आना चाहिए। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के अधीक्षक पद से सेवानिवृत्त वरिष्ठ समाजसेवी होशियारसिंह ने कहा कि प्रयास अच्छा है, किन्तु इस दिशा में सरकार व वहाँ के स्थानीय प्रशासन को भी कुछ करना चाहिए। सतीश कुमार संस्कृत अध्यापक ने कहा कि प्रशासन व सरकार को कुछ करना चाहिए, किन्तु इस संदर्भ में हम सिर्फ अपेक्षा कर सकते हैं, मुहीम को सफल बनाने के लिए तो हमें ही आगे आना होगा। इससे सहमत होते हुए आनन्द प्रकाश 'आर्टिस्ट' और साहित्यकार अनिल 'वत्स' ने आदिवासी-क्षेत्र में स्थापित संस्कारशालाओं का भ्रमण करके यथोचित सहयोग देने की बात कही। इनके अलावा इस बैठक में खज़ान सिंह, अनूपसिंह यादव, अरुणकुमार यादव, सुमनलता, विरेन्द्र कुमार, पृथ्वीसिंह सैनी, सतीश शर्मा आदि ने भी अपने विचार रखे और अपनी तरफ से हर सम्भव सहयोग देने का आश्वासन दिया। अंत में अरुण कुमार यादव निहालगढ़ ने सभी का हार्दिक आभार व्यक्त किया और सभी से पुनः अनुरोध किया कि संस्कारशाला के साथ जुड़कर देश की साक्षरता दर बढ़ाने में अपना सहयोग दें।

# धन्यवाद